जलवायु परिवर्तन फसलों पर आक्रामक कीटों के प्रसार में सहायक: एफ ए ओ अध्ययन

आक्रामक कीटों के कारण देशों का सालाना कम से कम 5,209 अरब रुपये का नुकसान

संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (एफ ए ओ) के तत्वावधान में किए गए एक अध्ययन में पाया गया है कि जलवायु परिवर्तन कीटों को अधिक विनाशकारी बना रहा है और वे महत्वपूर्ण कृषि फसलों को बर्बाद करते हैं जिससे वैश्विक खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण को ज़्यादा खतरा है। अध्ययन की रिपोर्ट 2 जून, 2021 को जारी की गई थी।

वैज्ञानिक समीक्षा में फसलों पर हमला करने वाले 15 कीटों की जांच की गई जो जलवायु परिवर्तन के कारण फैल गए हैं या फैल सकते हैं। लेखकों ने चेतावनी दी है कि ज़ोखिम बढ़ रहे हैं, और एक असामान्य रूप से गर्म शर्द ऋतु कीट संक्रमण के लिए उपयुक्त परिस्थितियां प्रदान करने में सक्षम है।

सालाना अरबों का नुकसान

इस अध्ययन को एफ ए ओ की मेज़बानी में अंतर्राष्ट्रीय पौध संरक्षण सम्मेलन (आई पी पी सी) के सचिवालय के अधीन इटली के ट्यूरिन विश्वविद्यालय की प्रोफेसर मारिया लोदोविका ने दुनिया भर के 10 सह-लेखकों के साथ तैयार किया था।

एफ ए ओ ने कहा मौजूदा स्थिति में पूरी दुनिया के फसल उत्पादन का लगभग 40% कीटों के कारण नष्ट हो जाता है, और पौधों की बीमारियों से वैश्विक अर्थव्यवस्था को सालाना 220 अरब डॉलर (16,372.4 अरब रुपये) से अधिक का नुकसान होता है। आक्रामक कीटों के कारण देशों के कम से कम 5,209 अरब रुपये सालाना खर्च होते हैं, और वे जैव-विविधता के नुकसान के मुख्य कारणों में से एक हैं।

फॉल आर्मीवर्म (सैनिक कीट) जैसी प्रजातियां, जो मक्का, ज्वार और बाजरा जैसी फसलों पर निर्वाह करती हैं, पहले से ही गर्म जलवायु के कारण फैल चुकी हैं। अन्य कीटों (जैसे कि रेगिस्तानी टिड्डे — जो दुनिया के सबसे विनाशकारी प्रवासी कीट हैं) के प्रवासी मार्गों और भौगोलिक वितरण में बदलाव की आशंका है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह के पलायन से खाद्य सुरक्षा को खतरा है, तथा छोटे किसान व साथ-साथ उन देशों के लोग, जहां खाद्य सुरक्षा एक मुद्दा है, विशेष रूप से जोखिम में हैं।

पौधों के स्वास्थ्य का संरक्षण

रिपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय पौध स्वास्थ्य वर्ष की प्रमुख पहलों में से एक है, जो जून 2021 में संपन्न हुआ। लेखकों ने जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए कई सिफारिशों को रेखांकित किया है, जिसकी शुरुआत अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने के साथ होनी चाहिए, क्योंकि एक देश में पौधों का असरदार कीट प्रबंधन दूसरों में सफलता को प्रभावित करता है।

उन्होंने उल्लेख किया जैसे कि पौधों की नई बीमारियों में से आधी यात्रा और व्यापार के माध्यम से फैलती हैं तो इनके संचरण को सीमित करने के लिए बेहतर उपाय और पौध सुरक्षा नीतियों में समायोजन भी महत्वपूर्ण हैं।

लेखकों ने पौधों के स्वास्थ्य से संबंधित राष्ट्रीय प्रणालियों और संरचनाओं को मज़बूत करने के लिए अधिक शोध और निवेश की आवश्यकता पर भी बल दिया।